

सर्व

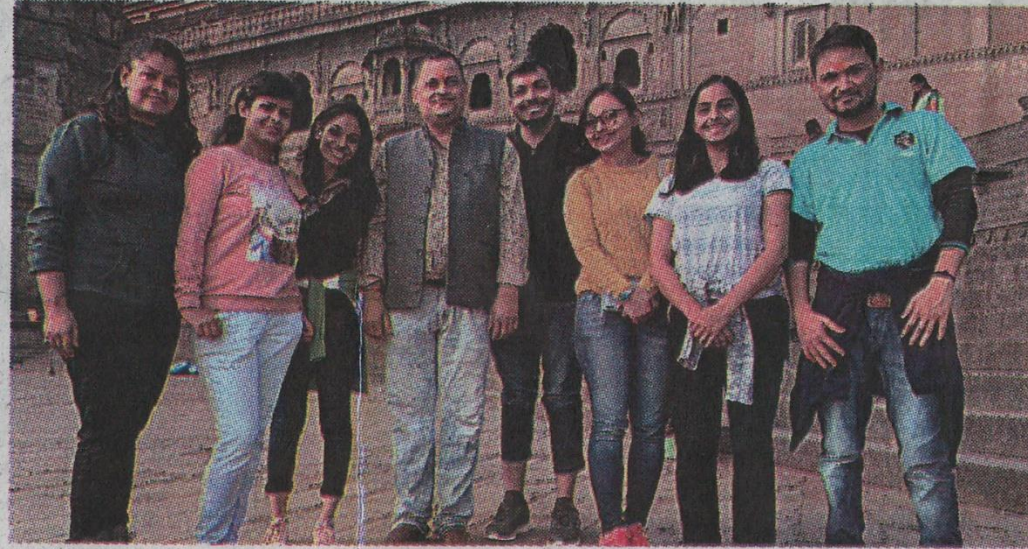
आईआईटी इंदौर में प्रकाशित की गई एक शोध रिपोर्ट, रसायन विज्ञान व जैव विविधता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ

पौधों से प्राप्त किया यौगिक, रोक सकता है वायरस के संक्रमण को बढ़ने से

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में एक शोध में एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है जिसमें कहा गया है कि पौधों से एक यौगिक प्राप्त किया गया है जो वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोक सकता है। शोध का नेतृत्व आईआईटी में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हेम चंद्र झा ने किया और विद्वान दीक्षा तिवारी, ओमकार इंदारी, वैज्ञानिक स्नेहा मुर्मू और इसमें इंडियन एग्रीकल्चरल स्टेटिस्टिक्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली के डॉ सुनील कुमार शामिल थे। इसका उद्देश्य वायरल रोगों के लिए पौधे आधारित दवा का पता लगाना था और यह रसायन विज्ञान और जैव विविधता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

पौधों पर आधारित यौगिकों को खोजने की कोशिश की: एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) संक्रमण गैस्ट्रिक कैंसर जैसे घातक परिणामों और अल्जाइमर व मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसे विभिन्न न्यूरोलॉजिकल विकारों से जुड़ा है। जांच से पता चला कि, अध्ययन के तहत लिए गए विभिन्न फाइटोकेमिकल्स में से एक, डीहाइड्रोएवोडायमाइन (डीएचई), वायरल ड्यूटेपेज से



जुड़ सकता है और इसके कामकाज को अवरुद्ध कर सकता है, जिससे वायरल प्रतिकृति और प्रसार में बाधा उत्पन्न हो सकती है। डॉ झा ने कहा, वायरस की वैश्विक पैठ और संबंधित बीमारियों की गंभीरता के बावजूद, इस

वायरल संक्रमण के लिए कोई एफडीए-अनुमोदित उपचार उपलब्ध नहीं है। हमारी जांच में पौधों पर आधारित यौगिकों को खोजने की कोशिश की गई, जिनका इस्तेमाल इस वायरस के प्रसार को रोकने के

भविष्य में दवा के विकास का मार्ग प्रशस्त

डॉ. सुनील कुमार ने कहा, पौधे के यौगिक, पहले से ही, मनुष्यों पर लाभकारी प्रभाव डालने के लिए जाने जाते हैं। डीएचई का उपयोग इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-वायरल गुणों के लिए किया गया है। प्रारंभिक अध्ययन वायरल संक्रमण के खिलाफ भविष्य में दवा के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

लिए किया जा सकता है। हमने एक वायरल प्रोटीन को लक्षित करने का लक्ष्य रखा है जो इसकी प्रतिकृति और पुनर्सक्रियन में मदद करता है, जिससे संभवतः इसके सामान्य कामकाज में बाधा उत्पन्न होती है।

वर्तमान उपचार के नियम रासायनिक आधारित हैं और इस प्रकार हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। हालांकि, हमने पाया कि पौधे आधारित यौगिक का उपयोग साइड इफेक्ट मुक्त दवा विकसित करने के लिए किया जा सकता है।